Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to confer Bharat Ratna Award on Rajshri Chhatrapati Shahu Maharaj, the Maharaja of the princely state of Kolhapur.

श्री धनंजय महाडीक (कोल्हापुर): कोल्हापुर रियासत में एक ऐसी महान विभूति हुई, जिन्होंने अपने शासनकाल में न केवल अनेक प्रजाहित के काम किए, बल्कि समाज की सभी जाति के लोगों को सम्मान देकर उनकी जिंदगी में खुशहाली और स्वाभिमान का सवेरा जगाया। इस महान व्यक्ति का नाम है- राजर्षि छत्रपति शहूजी महाराज।

आजादी मिलने के पहले 26 जुलाई, 1874 को छत्रपति शाहू महाराज कोल्हापुर के नजदीक कागल तहसील में राजा जयसिंहराव घाटगे के घर पैदा हुए। शाहूजी को कोल्हापुर रियासत के राजा ने गोद ले लिया और आगे चलकर कोल्हापुर रियासत की बागडोर शाहूजी ने संभाली । अपनी कम उम्र में ही राजर्षि शाहूजी ने ऐसे अनेक सामाजिक निर्णय किये, जो आम आदमी के लिए कई सदियों तक फायदेमंद साबित हुए। पीने के पानी की समस्या दूर करने के लिए उस वक्त के महान इंजीनियर सर विश्वेश्वरैया को साथ लेकर उन्होंने राधानगरी डैम बनवाया, जिसकी वजह से कोल्हापुर की पानी समस्या हमेशा के लिए खत्म हो गई। देश में सबसे पहले प्राथमिक शिक्षा अनिवार्य और मुफ्त करने वाले राजर्षि शाहूजी पहले राजा थे। हर जाति के लिए शिक्षा के दरवाजे खुले हों, इसलिए उन्होंने हर जाति के विद्यार्थी के लिए बोर्डिंग्ज बनवाये। कोल्हापुर में आज भी 11 अलग-अलग बोर्डिंग शाहूजी की दूरदृष्टि को बयां करते हैं। अंग्रेजों से मिलकर उन्होंने कोल्हापुर में रेलवे ट्रैक बनवाया व पहला रॉयल रेलवे स्टेशन कोल्हापुर में बना। पिछड़ी जाति के आदमी को खुद के खर्चे से होटल निकालकर दिया और खुद उसमें अफसरों के साथ चाय पीकर जाति व्यवस्था का कड़ा विरोध किया। कलाकारों को राजदरबार में सम्मान देकर संगीत और कला की एक नई परंपरा कोल्हापुर से शुरू की। कुश्ती में तो कोल्हापुर पूरी दुनिया में मशहूर है। कोल्हापुर के पहलवानों को

प्रोत्साहित करने के लिए आखाड़ा बनाकर पहलवानों को देश-विदेश में भेजने का काम शाहूजी ने किया। समाज में गंदगी फैला रही जाति व्यवस्था और अनिष्ट प्रथा का कड़ा विरोध करते हुए शाहूजी ने सत्यशोधक समाज को संरक्षण प्रदान किया और पिछड़ी जाति के कई लोगों को शिक्षा देकर ऊंचे पद पर पहुंचाया। बाबा साहेब अंबेडकर जी को सबसे पहले शाहूजी ने समाज में समानता लाने की अथक कोशिश की । शिक्षा, सामाजिक, सांस्कृतिक, क्रीड़ा हर क्षेत्र में उनके योगदान को हजारों साल तक जनता याद रखेगी, ऐसा काम शाहूजी ने किया है। काल से आगे जाकर अपने काम को अंजाम देने वाले राजर्षि शाहूजी महाराज इस देश के हर आदमी के दिल में अपनी जगह बनाए हुए हैं। इसलिए राजर्षि शाहूजी महाराज को भारत रत्न पुरस्कार मिलना चाहिए। ऐसी मांग देश की जनता की ओर से हम प्रतिनिधि के रूप में करते हैं।